पत्नी की हत्या के आरोप में 13 साल जेल में रहा, अब हाईकोर्ट ने किया बरी

अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष मामले के साक्ष्यों की कड़ी पूरी तरह से नहीं जोड पाया है, जिससे साबित हो सके कि आरोपी ने ही अपनी पत्नी की हत्या की है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पत्नी की हत्या के आरोप में 13 साल से जेल में बंद और आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे आरोपी पति को बरी कर दिया है।

इसके साथ ही अदालत ने एडीजे, जयपुर के 26 अप्रैल, 2017 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें अदालत ने अपीलार्थी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश रामभरोस साहनी की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष

> ■ **हाईकोर्ट ने एडीजे, जयपुर के 26 अप्रैल, 2017 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें अदालत ने अपीलार्थी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।**

मामले के साक्ष्यों की कड़ी पूरी तरह से नहीं जोड पाया है, जिससे साबित हो सके कि आरोपी ने ही अपनी पत्नी की हत्या की है। अदालत ने माना कि घटना के बाद याचिकाकर्ता का कुछ समय के लिए मौके पर नहीं होना अन्य परिस्थितियों की पर्याप्त पुष्टि के अभाव में अकेले दोषसिद्धि का आधार नहीं बन सकता।

मामले से जुडे अधिवक्ता एचके सैनी ने बताया की अपीलार्थी 25 जून 2013 से ही जेल में बंद था। अपील में निचली कोर्ट के उम्रकैद की सजा देने वाले आदेश को चुनौती दी थी। अपील में कहा गया कि अभियोजन का पूरा मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है, घटना का कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं है। अभियोजन अपीलार्थी और मृतका के बीच अंतिम बार साथ देखे जाने की परिस्थिति को विश्वसनीय तरीके से साबित नहीं कर पाया है।

इसके अलावा कथित चाकू और खून लगे कपडों की बरामदगी को लेकर भी गवाहों के बयानों में विरोधाभास रहा। ऐसे में निचली कोर्ट का आदेश रद्द कर अपीलार्थी को दोषमुक्त किया जाए।

गौरतलब है कि नाहरगढ थाना इलाके में 18 जून 2013 को एक महिला का शव उसके कमरे में मिला था। पुलिस ने इस मामले में उसके पति के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर चालान पेश किया था। एडीजे कोर्ट ने सुनवाई के बाद अपीलार्थी को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

प्रदेश के स्कूलों तक पहुंचा ''ईट राइट'' का संदेश

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा 3 से 16 अक्टूबर तक 'ईट राइट इनिशिएटिव' के तहत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

प्रमुख शासन सचिव डॉ. गायत्री राठौड़ एवं खाद्य सुरक्षा आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के निर्देशन में 3 और 5 अक्टूबर को प्रदेश के 270 से अधिक स्कूलों के 80 हजार से अधिक विद्यार्थियों को सुरक्षित, पौष्टिक एवं संतुलित खान-पान के प्रति जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को खाद्य मिलावट की पहचान, संतुलित आहार, साफ-सफाई और सुरक्षित भोजन की जानकारी दी गई। अभियान में मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के माध्यम से खाद्य पदार्थों की मौके पर प्राथमिक जांच और मिलावट के प्रति सतर्कता की व्यावहारिक जानकारी भी दी जा रही है। चतुर्वेदी ने कहा कि बच्चों में शुरू से सही खान-पान की आदत विकसित कर उन्हें जागरूक उपभोक्ता बनाना अभियान का उद्देश्य है।

'भाजपा अगर सत्ता का दुरुपयोग करती तो कांग्रेस लक्ष्मणगढ़ में एक वोट से चुनाव नहीं जीत पाती'

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने निकाय चुनाव में कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों पर जवाब दिया

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि यदि भाजपा सत्ता का दुरुपयोग करती तो कांग्रेस लक्ष्मणगढ़ में एक वोट से चुनाव नहीं जीत पाती। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी तो गहलोत सरकार ने की थी,

> ■ **उन्होंने कहा कि, ''वोट चोरी तो गहलोत सरकार ने की थी, बसपा के हाथी तक को डकार गए थे।''**



भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ सोमवार को मीडिया से रूबरू हुए।

बसपा के हाथी तक को डकार गए थे। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं का सदैव सम्मान करती है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए राठौड़ ने कहा कि जूली, अशोक गहलोत, गोविंद सिंह डोटासरा और सचिन पायलट के बीच लंबे समय से 'जलेबी रेस' चल रही है। उन्होंने कहा कि नेतृत्वविहीन कांग्रेस में नेता अपनी-अपनी ढपली बजा रहे हैं। डोटासरा के पंचायत चुनाव को लेकर आत्मविश्वास पर राठौड ने कहा कि यदि वे जनादेश स्वीकार कर लें तो उनकी दुकान आज ही खाली हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के 25 वर्ष पूरे होने पर 7 अक्टूबर को प्रदेश के प्रत्येक जिला केंद्र पर ''सेवा ज्योति एवं संकल्प'' कार्यक्रम आयोजित होगा। प्रत्येक बूथ से कार्यकर्ता जनता के साथ जिला केंद्र पहुंचेंगे। जयपुर में सांगानेर क्षेत्र में कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लाइव जुड़ेंगे।

कार्यक्रम में 'मशाल' प्रज्ज्वलित कर सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का संकल्प लिया जाएगा। राठौड़ ने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता, सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना, सही मार्गदर्शन और आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करना ही वास्तविक जनसेवा है।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत रक्तदान, स्वच्छता अभियान, आंगनबाड़ी केंद्रों पर सेवा गतिविधियां, विद्यालयों में कार्यक्रम, वाद-विवाद व लेखन प्रतियोगिताएं और महापुरुषों के सम्मान के कार्यक्रम हुए। राजस्थान में प्रधानमंत्री के स्वस्थ, दीर्घ एवं सक्रिय जीवन की कामना के लिए 40 लाख 'आशीर्वाद के दीप' जलाए गए। वडनगर से वाराणसी तक यात्रा तथा वाराणसी से वडनगर की ओर मोटरसाइकिल यात्राएं भी आयोजित की जा रही हैं।

बेंगलुरु में अखिल भारतीय एलआईसी खेल 2026-27 शुरू



मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक आर. दुरैस्वामी ने बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में अखिल भारतीय एलआईसी खेल 2026-27 का उद्घाटन किया। चार दिवसीय प्रतियोगिता में कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, वॉलीबॉल और एथलेटिक्स सहित छह खेल विधाएं शामिल हैं।

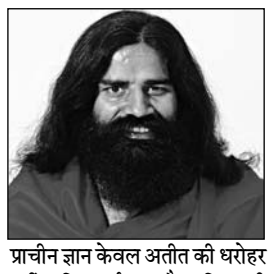
प्रतियोगिता में एलआईसी के आठ क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले करीब 376 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह में एस. गिरिजा, प्रदीप पी. शेगैं, लता माडमपत्त, सरवना रमेश एस. और आर.के. यादव सहित अधिकारी मौजूद रहे।

आर. दुरैस्वामी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना और उत्साह के साथ भाग लेने तथा श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रयास करने का आव्हान किया। प्रतियोगिता का समापन 8 अक्टूबर को होगा। समापन समारोह में एलआईसी के प्रबंध निदेशक आर. चंदर मुख्य अतिथि होंगे।

संस्कृत-संस्कृति के संगम का मंच बनेगा पतंजलि यूनिवर्सिटी

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय में होने वाले 52वें अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन को लेकर कुलाधिपति स्वामी रामदेव महाराज ने कहा कि भारत के संस्कार, सभ्यता, योग, अध्यात्म, संस्कृति, शास्त्र परंपरा और सनातन विरासत संस्कृत में सुरक्षित है। ऐसे में विश्वविद्यालय में संस्कृत और संस्कृति का विराट संगम होने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन भारतीय ज्ञान-परंपरा, संस्कृत और प्राच्य विद्याओं के संरक्षण, संवर्धन एवं वैश्विक प्रसार का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। सम्मेलन में देश-विदेश के विद्वान, शिक्षाविद्, शोधकर्ता और विशेषज्ञ भाग लेंगे। योग, आयुर्वेद, दर्शन, साहित्य, वेद, वेदांत, भाषा, व्याकरण, इतिहास और पुरातत्त्व सहित विभिन्न विषयों पर शोधपरक विमर्श होगा।स्वामी रामदेव ने कहा कि पतंजलि का संकल्प 'विरासत और विज्ञान, शोध और बोध, दृष्टि और दक्षता' का समन्वय है। भारतीय



प्राचीन ज्ञान केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों के समाधान में भी उपयोगी है। इसके गंभीर अध्ययन और आधुनिक संदर्भों में पुनर्पाठ की आवश्यकता है। सम्मेलन में विद्यार्थियों और शोधार्थियों के उत्साह को देखते हुए पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 अक्टूबर कर दी गई है। अब तक करीब 1 हजार विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है। स्वामी रामदेव ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों और भारतीय संस्कृति एवं विरासत में रुचि रखने वालों से सम्मेलन में अधिकाधिक सहभागिता का आव्हान किया।

गायत्री राठौड़ ने राजस्थान संपर्क पर सुनीं शिकायतें

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने सोमवार को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन-181 के कॉल सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने वीडियो और ऑडियो कॉल के माध्यम से परिवादियों से सीधे संवाद कर समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

सवाई माधोपुर के नरेश ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (एमएए) में जनाधार व दस्तावेजों से जुडी समस्या बताई। जयपुर निवासी यश ने सांगानेरी महिला चिकित्सालय में स्टाफ के अभद्र व्यवहार की शिकायत की। धनराज और ताराचंद ने आशा सहयोगिनी से संबंधित शिकायतें, जबकि गंगापुर सिटी के सूरज ने राजकीय अस्पताल में चिकित्सकों के समय पर उपलब्ध नहीं होने की शिकायत की।

राठौड़ ने सभी मामलों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

राठौड़ ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और दोषी कार्मिकों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संपर्क एआई पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे परिवेदनाओं का विषयवार विश्लेषण कर समस्याओं की पहचान और उनके समयबद्ध समाधान में मदद मिलेगी।

फोटो वायरल करने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

जयपुर। महिला को लगातार फोन और संदेश कर परेशान करने तथा फोटो वायरल करने की धमकी देने वाले युवक को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को आदर्श नगर थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया है।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रदीप मोहन शर्मा के निर्देशन और पुलिस उपायुक्त अनुष्ठा कालिया के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। कालिका पेट्रोलिंग टीम की सुमन बाला और सुनीता को पीड़िता ने फोन पर शिकायत दी थी कि नितिन गुप्ता नाम का युवक उसे लगातार कॉल कर परेशान कर रहा है और फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा है।पुलिस के अनुसार टीम ने आरोपी को समझाने का प्रयास किया तो वह आवेश में आ गया। उसने कथित तौर पर कहा कि पहले दोनों दोस्त थे और महिला उससे बात करती थी, लेकिन अब बात नहीं कर रही है। बात नहीं करने पर उसने उसे सबक सिखाने की धमकी दी। सूचना मिलते ही टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नितिन गुप्ता (29) पुत्र चंद्रशेखर गुप्ता, निवासी छत्री चौक, सुनेल, झालावाड़ को गिरफ्तार कर लिया और आदर्श नगर थाना पुलिस के हवाले किया।

बड़े दु:ख की बात है कि अधिवक्ता सुरक्षा बिल को लेकर राज्य सरकार नहीं भेज रही केंद्र को टिप्पणियां : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अधिवक्ता सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार की ओर से उदासीन रवैया अपनाने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि यह बड़े दु:ख की बात है कि पिछले करीब 16 माह से राज्य सरकार अधिवक्ता सुरक्षा बिल को लेकर केन्द्र सरकार की ओर से मांगी गई टिप्पणियां या स्पष्टीकरण नहीं भेज रही है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के अधिवक्ता ने केन्द्रीय गृह मंत्रालय की ओर से गत 25 जून को राज्य के मुख्य सचिव को भेजे पत्र की कॉपी पेश की। जिसमें कहा गया कि राज्य सरकार ने एडवोकेट्स प्रोटेक्शन बिल, 2023 सहित अन्य बिलों पर अपनी टिप्पणियां या स्पष्टीकरण पेश नहीं किए हैं। राज्य सरकार के अधिवक्ता ने इस संबंध में अदालत से समय मांगा गया। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 12 अक्टूबर को तय की है।

जनहित याचिका में कहा गया कि प्रदेश में वकीलों पर आए दिन हमले सहित अन्य आपराधिक घटनाएं होती रहती हैं। इसके बावजूद भी वकीलों की सुरक्षा के लिए कोई कानून नहीं है। याचिकाकर्ता अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने बताया कि साल 2020 में बार कौंसिल ऑफ इंडिया ने प्रोटेक्शन एक्ट का ड्राफ्ट तैयार कर राज्य सरकार के पास भेजा था। राज्य सरकार ने इसमें अपने स्तर पर कई अनावश्यक संशोधन कर इसे साल 2023 में विधानसभा में पेश किया था। वहीं राज्यपाल ने इसे अनुमति के लिए राष्ट्रपति के समक्ष भेज दिया। जहां से राज्य के मुख्य सचिव को पत्र जारी कर इस संबंध में टिप्पणियां या स्पष्टीकरण देने को कहा था।

रैम्प कार्यक्रम के तहत राजस्थान में होंगी रिवर्स बायर्स-सेलर्स मीट

जयपुर। एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के रेजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैम्प) कार्यक्रम के तहत राजस्थान की एमएसएमई इकाइयों और निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने के लिए रिवर्स बायर्स-सेलर्स मीट आयोजित की जाएंगी।

पहले चरण में उदयपुर में स्टोन, जयपुर में रेडीमेड गारमेंट्स तथा जोधपुर में फर्नीचर एवं हैंडीक्राफ्ट क्षेत्र पर फोकस रहेगा। अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय देशों और खाड़ी देशों से विदेशी खरीदारों एवं आयातकों को आमंत्रित किया जाएगा।बैठकों में विदेशी खरीदारों और राजस्थान के निर्यातकों के बीच बी-टू-बी बैठकें होंगी। निर्यातक अपने उत्पाद, सैंपल और प्रोडक्ट कैटलॉग प्रदर्शित कर संभावित कारोबारी अवसरों पर सीधे चर्चा कर सकेंगे। इससे एमएसएमई इकाइयों को बिना विदेश यात्रा किए नए अंतरराष्ट्रीय बाजार और खरीदारों तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी।इन आयोजनों से राजस्थान के निर्यात कारोबार को बढ़ावा देने के साथ एमएसएमई क्षेत्र को वैश्विक वैल्यू चेन से जोड़ने और राज्य को प्रमुख वैश्विक व्यापार एवं निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

राजस्थान पुलिस की बीट व्यवस्था होगी हाईटेक

जयपुर। राजस्थान में बीट पुलिसिंग को अधिक प्रभावी, जवाबदेह, जनोन्मुखी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में राजस्थान पुलिस ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पुलिस मुख्यालय में सोमवार को राजस्थान पुलिस और ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीएंडआरडी), गृह मंत्रालय, भारत सरकार के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। डीजीपी-आईजीपी कांफ्रेंस 2025 की सिफारिशों के तहत तैयार एक वर्षीय कार्ययोजना के अनुरूप बीट स्तर की पुलिसिंग को मजबूत किया जाएगा।

कार्ययोजना के प्रथम चरण में प्रत्येक रेंज से एक-एक जिले का चयन करते हुए कुल नौ जिलों में नई बीट प्रणाली लागू की गई है। इनमें सीकर, जयपुर उत्तर, धौलपुर, डीडवाना-कुचामन, कोटा शहर, डूंगरपुर, चूरू, जैसलमेर और जोधपुर पश्चिम शामिल हैं। इन जिलों से प्राप्त अनुभव, उपलब्धियों और नवाचारों के आधार पर बाद में प्रदेश के अन्य जिलों में भी व्यवस्था का विस्तार किया जाएगा।

पुलिस मुख्यालय के सम्मेलन कक्ष में डीजीपी राजीव कुमार शर्मा और बीपीएंडआरडी के महानिदेशक आलोक मित्तल की मौजूदगी में राजस्थान पुलिस की ओर से उप महानिरीक्षक अपराध दीपक भार्गव तथा बीपीएंडआरडी की ओर से उप महानिरीक्षक, नेशनल पुलिस मिशन डॉ. किरण कंग सिद्धू ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

बीपीएंडआरडी के महानिदेशक आलोक मित्तल ने कहा कि पुलिसिंग में बीट ही बुनियादी इकाई है। उन्होंने बताया कि डीजीपी-आईजीपी कांफ्रेंस 2025 की सिफारिशों और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों के तहत तैयार एक वर्षीय कार्ययोजना के क्रियान्वयन की दिशा में गोवा के बाद राजस्थान दूसरा राज्य है, जिसके साथ बीपीएंडआरडी ने एमओयू किया है। उन्होंने राजस्थान पुलिस के बीट क्लस्टर मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल से विभिन्न राज्यों की बेहतर कार्यप्रणालियों को साझा करने और अपनाने का अवसर मिलेगा।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि बीट पुलिसिंग पुलिस और आमजन के बीच सबसे महत्वपूर्ण संपर्क बिंदु है। इसे अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाने की आवश्यकता है।

बेटे के विदेश में गिरफ्तार होने का झांसा देकर साइबर ठगों ने1.70 लाख रु. ऐंठे

जयपुर। जालूपुरा इलाके में साइबर ठगों ने विदेश में पढ़ाई कर रहे बेटे को दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार बताकर एक सरकारी कर्मचारी को करीब एक घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 1.70 लाख रुपए ठग लिए। ठगों ने वॉट्सऐप पर पुलिस अधीक्षक की फोटो लगाकर वीडियो कॉल किया और बेटे को छुड़ाने के नाम पर रुपए मांगे।

थानाधिकारी बृजेश सिंह के अनुसार, 2 अक्टूबर सुबह करीब 11 बजे पीड़ित के वॉट्सऐप पर वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को बड़ा पुलिस अधिकारी बताते हुए कहा कि उनका बेटा विदेश में दुष्कर्म के गंभीर मामले में हिरासत में है। ठगों ने विदेश के कड़े कानूनों और सजा का डर दिखाया। इसके बाद वीडियो कॉल पर मारपीट और किसी के रोने-चिल्लाने की आवाजें सुनाकर पीड़ित को विश्वास दिलाया कि उसके बेटे को टॉर्चर किया जा रहा है।ठगों ने कॉल नहीं काटने और किसी अन्य से संपर्क नहीं करने की हिदायत दी। घबराए पीड़ित ने रिश्तेदारों और परिचितों से रुपए उधार लेकर आरोपियों के बताए बैंक खातों में 1.70 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। रुपए मिलते ही ठगों ने कॉल काट दिया। इसके बाद बेटे से फोन पर बात की तो वह सुरक्षित मिला और ठगी का खुलासा हुआ। जालूपुरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर बैंक खातों और कॉल डिटेल के आधार पर जांच शुरू की।

पुलिस हिरासत में तबीयत बिगड़ने के बाद 19 वर्षीय युवक की मौत

सोना उपलब्ध कराने के नाम पर कथित ठगी के मामले में मुहाना पुलिस ने मध्यप्रदेश निवासी इस युवक को हिरासत में लिया था

जयपुर। मुहाना थाने में पूछताछ के दौरान हिरासत में लिए गए मध्यप्रदेश के 19 वर्षीय युवक ऋतुराज की सवाई मानसिंह अस्पताल में करीब 15 दिन इलाज के बाद सोमवार को मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने आरोपों को खारिज करते हुए मौत का कारण पोस्टमॉर्टम और मेडिकल जांच के बाद स्पष्ट होने की बात कही है।

थानाधिकारी मुकेश खारड़िया के अनुसार मंदसौर निवासी ऋतुराज को सोना उपलब्ध कराने के नाम पर कथित ठगी के मामले में पूछताछ के लिए थाने लाया गया था। थाने में उसकी तबीयत बिगड़ी और उल्टी होने के बाद उसे निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया, जहां करीब 15 दिन

> ■ **मृतक की मां का आरोप है कि पुलिस हिरासत में उसके बेटे से मारपीट की गई, जिसके कारण वह कोमा में चला गया और उसकी मौत हो गई।**

तक कोमा की स्थिति में उपचार चला। सोमवार को उसकी मौत हो गई। शव को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है और परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

मृतक की मां हेमा ने आरोप लगाया कि पुलिस हिरासत में उसके बेटे से मारपीट की गई, जिसके कारण वह कोमा में चला गया और उसकी मौत हो गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने दबाव बनाकर दो अन्य युवकों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया तथा दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए धमकाया। मां ने एसएमएस अस्पताल में तीन पुलिसकर्मियों पर 8 से 10 लाख रुपए लेकर मामला शांत करने का प्रस्ताव देने का भी आरोप लगाया है।

थानाधिकारी मुकेश खारड़िया ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि युवक पर दो अलग-अलग पक्षों से सोना देने के नाम पर रुपए लेने और माल उपलब्ध नहीं कराने के आरोप थे। इस संबंध में उसकी मां ने ही पहले शिकायत दी थी। पुलिस के अनुसार युवक को थाने लाने के समय से ही उसकी तबीयत ठीक नहीं थी। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और चिकित्सकीय जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

ई-रिक्शा चुराने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने घर के बाहर खड़े ई-रिक्शा की चोरी का खुलासा करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर चोरी किया गया ई-रिक्शा बरामद किया है। थानाधिकारी मुकेश कुमार खारडिया ने बताया कि पवन जाटव ने 4 अक्टूबर को रिपोर्ट दी थी कि 3 अक्टूबर की रात करीब 9.30 बजे उसने ई-रिक्शा आरजे 14 ईटी 9556 घर के बाहर खड़ा किया था, जिसे देर रात अज्ञात चोर चुरा ले गए। डीसीपी दक्षिण राजर्षि राज के निर्देशन में पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों के 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। संदिग्ध व चालानशुदा अपराधियों से पूछताछ तथा तकनीकी अनुसंधान के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शाहरुख उर्फ मोटा मंसूरी (30) निवासी संजय नगर सी, झोटवाड़ा, हाल मालवीय नगर और गगन पेशवानी (20) निवासी मीणा कॉलोनी, जवाहर सर्किल को गिरफ्तार किया।

निकाय चुनाव में पुलिस की भूमिका पर कांग्रेस ने डीजीपी को सौंपा ज्ञापन

डोटासरा-जूली ने पंचायत चुनाव में पुलिस से निष्पक्ष रहने की मांग की

जयपुर। स्थानीय निकाय चुनाव में पुलिस अधिकारियों की कथित भूमिका की जांच और कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सोमवार को पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने आगामी पंचायत चुनाव में पुलिस को निष्पक्ष होकर कानून व्यवस्था बनाए रखने की मांग की। डीजीपी ने प्रतिनिधिमंडल को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

डोटासरा ने मुलाकात के बाद कहा कि निकाय चुनाव में पुलिस की भूमिका से जुड़े मामलों के प्रमाणों के साथ डीजीपी को ज्ञापन दिया गया है और प्रत्येक मामले पर चर्चा की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि निकाय चुनाव में पुलिस के जरिए पार्षदों पर दबाव बनाया गया तथा कई स्थानों पर पुलिस अधिकारी पार्षदों की बाड़ेबंदी तक पहुंचे। डोटासरा ने कहा कि पंचायत चुनाव में भी यदि ऐसा ही रवैया रहा तो स्थिति गंभीर हो सकती है और इसकी जिम्मेदारी पुलिस महानिदेशक की होगी।डोटासरा ने हाल में हुए कुछ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के तबादलों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के दबाव में काम नहीं करने वाले अधिकारियों को हटाया गया। खाटूश्यामजी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां पुलिस अधीक्षक, उपाधीक्षक, उपखंड अधिकारी और थाना प्रभारी तक बदले गए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय से लगातार निगरानी की जा रही थी और निकाय चुनाव के दौरान पुलिस-प्रशासन पर राजनीतिक दबाव बनाया गया।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि पंचायत चुनाव के संभावित दावेदारों को भी धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को चुनाव लड़ने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी जा रही है। परिवार में सरकारी कर्मचारी होने पर तबादले और व्यापारी होने पर कारोबार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दिए जाने का भी उन्होंने आरोप लगाया।

डोटासरा ने कहा कि लोकतंत्र में जनता सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने दावा किया कि निकाय चुनाव में कथित घटनाओं को लेकर प्रदेश में आक्रोश है और पंचायत चुनाव में जनता इसका जवाब देगी। उन्होंने पंचायत चुनाव चार चरणों में कराने को लेकर भी सवाल उठाए और चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की।